A-0232

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–606

M.A. SANSKRIT (MASL)

(काव्यशास्त्र भाग-02)

4th Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'वक्रोक्तिः काव्यजीवितम' को स्पष्ट कीजिए।

2. संस्कृत काव्यशास्त्रपरम्परा का उल्लेख कीजिए।

3. '**काव्यस्य आत्मा ध्वनिः**' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

4. रसोत्पत्तिवाद पर विभिन्न मतों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

5. '**काव्यं यशसे, अर्थकृते शिवेतरक्षतये, कान्तासम्मिततयोपदेशयुजे**' की व्याख्या कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उत्प्रेक्षा अलंकार को सोदाहरण लिखिए।

2. अग्रलिखित पर टिप्पणी लिखिए–

   हारादिवत् अलंकाराः।

3. अधोलिखित पर टिप्पणी लिखिए–

   इति हेतुस्तदुद्भवे।

4. **अतिशयोक्ति अलंकार** को उदाहरण पूर्वक लिखिए।

5. आनन्दवर्धनाचार्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. अधोलिखित विषय पर टिप्पणी लिखिए–

वाक्यं रसात्मकं काव्यम्।

7. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य हेतु कौन-कौन हैं ? स्पष्ट कीजिए।

8. काव्य में अलंकारों के महत्व को रेखांकित कीजिए।

****